JEEN MATA KI AARTI

ओम जय श्री जीण मइया, बोलो जय श्री जीण मइया ।
सच्चे मन से सुमिरे, सब दुःख दूर भया ॥
॥ ओम जय श्री जीण मइया..॥

www.shivaarti.com

ऊंचे पर्वत मंदिर, शोभा अति भारी ।
देखत रूप मनोहर, असुरन भयकारी ॥
॥ ओम जय श्री जीण मइया..॥

महासिंगार सुहावन, ऊपर छत्र फिरे ।
सिंह की सवारी सोहे, कर में खड़ग धरे ॥
॥ ओम जय श्री जीण मइया..॥

www.shivaarti.com

बाजत नौबत द्वारे, अरु मृदंग डैरु ।
चौसठ जोगन नाचत, नृत्य करे भैरू ॥
॥ ओम जय श्री जीण मइया..॥

बड़े बड़े बलशाली, तेरा ध्यान धरे ।
ऋषि मुनि नर देवा, चरणो आन पड़े ॥
॥ ओम जय श्री जीण मइया..॥

जीण माता की आरती, जो कोई जन गावे ।
कहत रूड़मल सेवक, सुख सम्पति पावे ॥
॥ ओम जय श्री जीण मइया..॥

www.shivaarti.com

ओम जय श्री जीण मइया, बोलो जय श्री जीण मइया ।
सच्चे मन से सुमिरे, सब दुःख दूर भया ॥
॥ ओम जय श्री जीण मइया..॥